वर्ष :: 33 अंक : 37
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

प्रकाशन का 33 वां वर्ष

/mithilavarnan

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका

अवश्य पढ़ें-
निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मेनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

बोकारो :: रविवार, 11 जून, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

सोलर एनर्जी और पानी से डीवीसी बनाएगा 4500 मेगावाट बिजली

बेहतरी... 60000 करोड़ की लागत से 2030 तक उत्पादन में 8000 मेगावाट की होगी बढ़ोतरी

बिजली-व्यवस्था में क्रांतिकारी बदलाव के पीछे डीवीसी का अहम योगदान : चेयरमैन

विजय कुमार झा

बोकारो : 'प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण एवं प्रदूषण-रहित विद्युत उत्पादन को देखते हुए भारत सरकार पुनर्चक्रीय ऊर्जा आधारित बिजली उत्पादन पर जोर दे रही है। इसे देखते हुए दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) आने वाले सात वर्षों के भीतर 4500 मेगावाट बिजली का उत्पादन केवल सौर ऊर्जा और पानी की मदद से पंप स्टोरेज के जरिए करेगा। बोकारो जिले के लुगू पहाड़ और बंगाल के पंचेत में पंप स्टोरेज आधारित विद्युत उत्पादन संयंत्र काम करेगा। डीवीसी 2030 तक अपनी मौजूदा उत्पादन-क्षमता 7000 मेगावाट में 8000 मेगावाट की और बढ़ोतरी कर 15000 मेगावाट तक पहुंचाएगा, ताकि भविष्य की मांग के अनुरूप बिजली की उपलब्धता सुनिश्चित की जा सके।' ये बातें डीवीसी के अध्यक्ष रामनरेश सिंह ने चंद्रपुरा में एक बातचीत के दौरान कहीं। उन्होंने कहा कि इस परियोजना को पूरा करने में डीवीसी कुल 60 हजार करोड़ रुपए खर्च करेगा। इसके तहत रघुनाथपुर में 1320 मेगावाट, कोडरमा में 1600 मेगावाट और दुर्गापुर में 800 मेगावाट के थर्मल पावर प्लांट बनाए जाएंगे। ये तीनों स्वीकृत हो चुके हैं। वहीं, चंद्रपुरा में 800 मेगावाट के नए थर्मल पावर प्लांट के लिए सर्वे चल रहा है। सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसे लेकर प्रस्ताव दिया जाएगा। पुराने प्लांट के हटने के बाद उस जगह पर नए प्लांट की स्थापना की जाएगी। 8000 मेगावाट बिजली-क्षमता बढ़ाने में 3720 मेगावाट थर्मल तथा लगभग 4500 मेगावाट सौर ऊर्जा व पंप स्टोरेज आधारित पुनर्चक्रीय ऊर्जा की मदद से बिजली उत्पादन किया जाएगा।

चंद्रपुरा थर्मल ताप विद्युत केंद्र (सीटीपीएस) के प्रदर्शन की समीक्षा को लेकर पहुंचे डीवीसी अध्यक्ष श्री सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा कि विगत एक दशक में देश की बिजली-व्यवस्था में क्रांतिकारी सुधार आया है, जिसमें डीवीसी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप हम विद्युत उत्पादन कर रहे हैं। वर्ष 2020-21 में **(शेष पेज- 7 पर)**

मशीनों व चिमनियों से होने वाले प्रदूषण को रोकेगी एफजीडी तकनीक

डीवीसी अध्यक्ष ने एक अन्य प्रश्न के उत्तर में कहा कि पर्यावरण-संरक्षण तथा प्रदूषण कम करने के उद्देश्य से डीवीसी की सभी यूनिटों में एफजीडी (फ्ल्यू गैस डिसल्फराइजेशन) की कमीशनिंग की जा रही है। बता दें कि यह तकनीक विद्युत तापीय परियोजना में मशीनों तथा चिमनियों से निकलने वाले धुएं व प्रदूषण को निगल लेगी। शुरूआत जुलाई में मेजिया से होगी, जिसके बाद बोकारो की यूनिटों में अगस्त में लगाया जाएगा। तत्पश्चात कोडरमा व अन्य यूनिटों में इसे लगाया जाएगा। सरकार ने इसके लिए दिसंबर 2025 तक की समय-सीमा तय की है। हमारा ध्येय है कि 2024 तक इसे पूरा कर लें।

झारखंड में बकाये बिल और कोल-शॉर्टेज की समस्या नहीं

डीवीसी की चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर चेयरमैन श्री सिंह ने कहा कि झारखंड में अब बिजली के बकाये भुगतान और कोयले की कमी कोई चुनौती नहीं है। तुबेद माइंस चालू हो चुका है, जिससे हमारे संयंत्रों में कोयला पहुंच भी रहा है। कोयला मंत्रालय, कोल इंडिया के स्तर पर भी काफी सुधार हुआ है और हम पूरी तरह आश्वस्त हैं कि बिजली उत्पादन के लिए आवश्यक कोयला इस साल हमारे पास है। उन्होंने रघुनाथपुर में रेल कनेक्टिविटी नहीं होना एक बड़ी चुनौती बताया और कहा कि इसे भी अब दूर कर लिया गया है। यह भी अच्छी स्थिति में है। एक अन्य सवाल के जवाब में डीवीसी अध्यक्ष ने कहा कि हम किसी भी मामले में निजी कंपनियों से कम नहीं हैं, फिर भी प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से काम करना होगा। तभी हम बिजली बेच सकेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि डीवीसी सबसे सस्ती दर पर बिजली उपलब्ध करा रहा है। बातचीत के दौरान चेयरमैन के साथ डीवीसी के सदस्य सचिव डॉ. जॉन मथाई एवं सीटीपीएस के परियोजना प्रधान सह- मुख्य अभियंता सुनील कुमार पांडेय, जनसंपर्क पदाधिकारी अक्षय कुमार भी मौजूद रहे।

डैम में लगेंगे पानी में तैरते सोलर पैनल

डीवीसी अध्यक्ष ने बताया कि सोलर परियोजना दो तरह की है, एक ग्राउंड माउंटिंग और दूसरा डैम फ्लोटिंग। जितने भी डैम हैं, उनमें तैरते हुए सोलर पैनल लगाए जाएंगे। इस सौर ऊर्जा से 2000 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा। बोकारो जिले के लुगू पहाड़ में 1500 मेगावाट और पश्चिम बंगाल के पंचेत में 1000 मेगावाट, यानी कुल 2500 मेगावॉट पंप स्टोरेज से ऊर्जा उत्पादन करने की योजना है।

तिकड़म

आईएएस-आईपीएस की ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामले में सुस्त है राज्य सरकार, सीएम हेमंत की हो रही किरकिरी

चुनाव को ले झारखंड में अफसरों की खरीद-फरोख्त का खेल?

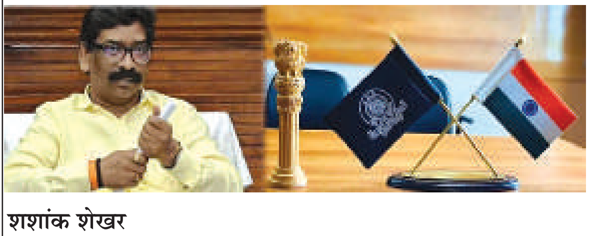

शशांक शेखर

रांची/पटना/बोकारो : बिहार सरकार ने 72 घंटे में अपने 31 आईएएस आईपीएस अधिकारियों की पोस्टिंग कर दी, लेकिन झारखंड सरकार अभी भी अजगर की निद्रा में है। कहावत है कि यदि अभी नहीं जागे, तो फिर नहीं जागेंगे। सच्चाई यह है कि हर वैसे अधिकारी, जिन्होंने अपना कार्यकाल दो या तीन साल पूरा कर लिया है, 2024 के चुनाव को देखते हुए उनका ट्रांसफर होना तय है। चुनाव आयोग का यही निर्णय है। एक वरिष्ठ अधिकारी की मानें, तो वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव को देखते हुए संभवतः राजनीतिक हितों के मद्देनजर झारखंड में आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की खरीद-फरोख्त का खेल अंदर ही अंदर चल रहा है। 2024 चुनाव के हित को ध्यान में रखते हुए ही अभी राज्य में आईएएस-आईपीएस अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग नहीं की जा रही है।

बार-बार भेजी गई लिस्ट, पर नहीं हुआ तबादला

प्राप्त जानकारी के अनुसार धनबाद एसएसपी, हजारीबाग एसपी, रामगढ़ एसपी, देवघर डीसी व अन्य कई अफसरों का कार्यकाल पूरा होने के बाद उनकी पोस्टिंग नहीं हो रही है। आज के दिन में जब धनबाद में विधि-व्यवस्था को लेकर विरोध हो रहे हैं, हजारीबाग और रामगढ़ में कोयला चोरी के मामले लगातार सुर्खियों में हैं। देवघर के डीसी तथा चार अन्य डीसी अपना कार्यकाल पूरा कर चुके हैं, तो यह ट्रांसफर-पोस्टिंग क्यों नहीं की जा रही? इस संदर्भ में पूछे जाने पर एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ने कहा कि हमलोग ट्रांसफर-पोस्टिंग की लिस्ट बार-बार सीएम ऑफिस भेज चुके हैं। उसके बावजूद इन अधिकारियों का तबादला नहीं हो रहा। अधिकारी ने कहा कि उनकी भूमिका लिस्ट भेजने तक ही सीमित है।

दरकिनार किए जा रहे योग्य व ईमानदार

अफसरों के तबादले से जुड़े एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कहा कि धनबाद, देवघर, हजारीबाग, रामगढ़ आदि जिलों में से एक जिले के एक आईपीएस अधिकारी रोड़ा अटका रहे हैं। वह अब भी अपने पद पर बने रहना चाहते हैं। ऐसे में यह प्रश्न यह उठता है कि क्या झारखंड में तेज-तर्रार आईएएस, आईपीएस की कमी है? क्या ईमानदार कर्मठ व्यक्तियों को दरकिनार किया जा रहा है? यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है। रिकार्ड के मुताबिक तीन शानदार आईपीएस अधिकारी अभी या तो शंटिंग पोस्ट में हैं। वरिष्ठ आईपीएस अफसर ने बताया कि हरियाणा के तीन और उत्तर प्रदेश के चार आईपीएस अधिकारी क्रीम पोस्ट पर हैं। उनके खिलाफ मुकदमा भी चल रहा है, लेकिन वे उस पद पर आज भी मौजूद हैं। बहरहाल, इस मामले को लेकर सीएम हेमंत सोरेन की किरकिरी हो रही है। विपक्ष इसे मुद्दा बनाकर हवा देने की तैयारी में है।

– संपादकीय –

... और धराशायी हुआ ड्रीम प्रोजेक्ट

बिहार में भागलपुर और खगड़िया को जोड़ने के लिए गंगा नदी पर बनाए जा रहे एक बड़े पुल के धराशायी होने का जो वीडियो वायरल हुआ, वैसा किसी ने सोचा भी नहीं था। खगड़िया के अगुवानी घाट और भागलपुर के सुल्तानगंज को आपस में जोड़ने के उद्देश्य से बनाया जा रहा यह पुल मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के ड्रीम प्रोजेक्ट्स में से एक था। इस पुल की लागत लगभग 1710 करोड़ रुपये की थी, लेकिन यह पुल 17 महीने भी नहीं टिक सका और पुल के ढ़हने के साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सपने भी धराशायी हो गये हैं। हालिया घटना में पुल का तीन पिलर और सुपर स्ट्रक्चर गंगा नदी की गोद में समा गया। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। इससे पहले भी इसका एक हिस्सा नदी में समा गया था। जानकारी के अनुसार भागलपुर में गंगा नदी पर बनने वाला यह सबसे बड़ा पुल था। हरियाणा की एक कंपनी एसपी सिंगला इसे बना रही है। हालांकि, इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन कुछ स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुल निर्माण के कार्य में तैनात दो सुरक्षाकर्मी लापता बताये जाते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले अप्रैल 2022 में इसी पुल के हिस्से धराशायी हो गए थे। इधर, बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने पुल गिरने की घटना के बाद कहा कि जांच के ही बाद पुल गिरने की असली वजह पता चलेगी। जबकि, तेजस्वी के बड़े भाई बिहार सरकार में पर्यावरण मंत्री तेज प्रताप यादव ने बिल्कुल ही हास्यास्पद बयान देते हुए कहा कि पुल गिरने के पीछे बीजेपी का हाथ है। इस घटना के बाद बिहार की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। दरअसल, 9 मार्च 2015 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस पुल निर्माण का शिलान्यास किया था। इसका निर्माण कार्य मार्च 2019 तक कार्य पूरा करना था, लेकिन वह अब तक पूरा नहीं हो सका। पहली बार पुल निर्माण की समय सीमा मार्च 2020 तक बढ़ाई गई। दूसरी बार पुल निर्माण की समय सीमा बढ़ाकर मार्च 2022 की गई। इसी बीच 30 अप्रैल 2022 को भागलपुर की तरफ से पुल का स्ट्रक्चर नदी में पहली बार गिर गया। जबकि, चार जून 2023 को खगड़िया की तरफ से पुल का दूसरा हिस्सा ध्वस्त हो गया। सवाल खड़ा होता है कि जिस पुल को चार साल में ही पूरा करने का लक्ष्य था, वह नौ साल में भी बनकर तैयार क्यों नहीं हुआ? हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसे लेकर जांच के आदेश दिए हैं। लेकिन, पुल के धराशायी होने के साथ ही बिहार में सियासी तापमान भी बढ़ गया है। सरकार ने भले ही जांच के आदेश दे दिए हैं, लेकिन विपक्ष इसको लेकर हमलावर हो गया है। क्योंकि, अगर पुल के स्ट्रक्चर में खामियां हैं तो सरकार या विभागीय अधिकारियों ने दूसरी बार उसी कम्पनी को आगे काम करने की हरी झंडी क्यों और कैसे दी? इसका जवाब तो सरकार को देना ही होगा। दरअसल, बिहार में गंगा नदी पर बन रहे इस पुल का निर्माण आखिरी चरण में था। पुल की कुल लंबाई 3.16 किलोमीटर थी। यह एक फोरलेन पुल था, जिसमें अलग-अलग दो-दो लेन बन रहे थे। इस पुल का उद्घाटन इसी साल नवंबर या दिसंबर में किये जाने की संभावना थी। लेकिन, उद्घाटन से पहले ही दो-दो बार इस पुल का इस तरह से धराशायी हो जाना कई सवालों और आशंकाओं को जन्म दे रहा है। खासकर, बड़े सवाल इस पुल की सुरक्षा को लेकर भी उठ रहे हैं।

भारत के विद्युत क्षेत्र में परिवर्तन : सतत ऊर्जा और सार्वभौमिक पहुंच की ओर बढ़ते कदम

भारत के बिजली क्षेत्र में उल्लेखनीय बदलाव हुए हैं, जिनका उद्देश्य लोगों को विश्वसनीय, किफायती और सतत ऊर्जा प्रदान करना है। पिछले 9 वर्षों में, बिजली उत्पादन क्षमता बढ़ाने, बिजली तक पहुंच का विस्तार करने, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने और अभिनव नीतियों को लागू करने में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। यहां हम उन प्रेरणादायक उपलब्धियों और बदलाव लाने वाली पहलों पर विचार कर रहे हैं, जिन्होंने भारत के बिजली क्षेत्र को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

हरित भविष्य की दिशा में भारत की यात्रा को वैश्विक मान्यता मिली है। पिछले नौ वर्षों में उत्पादन क्षमता में 175 जीडब्ल्यू से अधिक की वृद्धि के साथ, भारत बिजली की कमी वाले देश से एक बिजली अधिशेष राष्ट्र में परिवर्तित हो गया है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के लिए देश की प्रतिबद्धता ने इस उपलब्धि को हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सौर और पवन ऊर्जा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि ने नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में विश्व के अग्रणी देश के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत किया है। आज, भारत नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता के सन्दर्भ में पूरी दुनिया में चौथे स्थान पर है, इसकी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 43% गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों पर आधारित है।

बिजली उत्पादन और सार्वभौमिक विद्युतीकरण के लिए भारत की प्रतिबद्धता इस परिवर्तन की प्रेरणा-शक्ति रही है। प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) पहल को सफलता के प्रतीक के रूप में मान्यता मिली है, जिसके तहत सार्वभौमिक घरेलू विद्युतीकरण हासिल करने के लिए देश के हर गांव और जिले को कवर किया गया है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के अंतर्गत, 25 सितंबर, 2017 से ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में बिजली की सुविधा से वंचित 2.86 करोड़ परिवारों को बिजली कनेक्शन प्रदान किए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने इसे

बिजली सुविधा तक पहुंच के सन्दर्भ में, बिजली के इतिहास में दुनिया का सबसे तेज विस्तार कहा है। ग्रामीण और शहरी, दोनों क्षेत्रों में बिजली की उपलब्धता में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। बिजली की उपलब्धता, ग्रामीण क्षेत्रों में 2014 के प्रति दिन लगभग 12 घंटे से बढ़कर वर्तमान में 22.5 घंटे प्रति दिन और शहरी क्षेत्रों में लगभग 24 घंटे तक हो गयी है।

ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति की गुणवत्ता और विश्वसनीयता में सुधार के लिए, 2014 में दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना (डीडीयूजीजेवाई) शुरू की गई थी। डीडीयूजीजेवाई कार्यक्रम ने 28 अप्रैल, 2018 को 18,374 गैर-विद्युतीकृत गांवों का विद्युतीकरण करके 100% ग्रामीण विद्युतीकरण का लक्ष्य हासिल किया। इसके लिए वितरण नेटवर्क को मजबूत किया गया तथा यह सुनिश्चित किया गया कि बिजली ग्रामीण भारत के हर कोने तक पहुंचे।

सरकार द्वारा ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने के प्रयासों के भी उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। किफायती एलईडी द्वारा सभी के लिए उन्नत ज्योति (उजाला) योजना के तहत, 2014 और 2019 के बीच एलईडी बल्बों की खरीद कीमत में लगभग 90% की कमी आई है। एक एलईडी बल्ब की कीमत 310 रुपये से घटकर 39.90 रुपये रह गयी है। इस योजना के तहत अब तक 36.86 करोड़ से अधिक एलईडी बल्ब वितरित किए जा चुके हैं। इस पहल से न केवल घरों में बिजली की लागत कम हुई है, बल्कि एलईडी बल्बों के घरेलू निर्माण को भी बढ़ावा मिला है और 'मेक इन इंडिया' अभियान को समर्थन मिला है। परिणामस्वरूप, भारत ने ऊर्जा-कुशल प्रकाश समाधानों को व्यापक रूप से अपनाया है, जिसने ऊर्जा की खपत को कम करने के साथ हरित पर्यावरण में भी योगदान दिया है।

बिजली वितरण की दक्षता बढ़ाने के लिए, सरकार ने पुनर्गठित वितरण क्षेत्र योजना (आरडीएसएस) जैसी पहलों को लागू किया है। आरडीएसएस से बिजली वितरण कंपनियों का वितरण घाटा वित्त वर्ष 2020-21 के 21.5% से कम होकर वित्त वर्ष 2021-22 में 16.5% रह गया है। ये पहलें; तकनीकी और वाणिज्यिक घाटे को कम करने, मीटर और बिल प्रणाली में सुधार करने और ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करती हैं। स्मार्ट ग्रिड, उन्नत मीटर अवसंरचना और मांग प्रतिक्रिया व्यवस्था के एकीकरण से ग्रिड स्थिरता में वृद्धि हुई है और उपभोक्ताओं को अपनी ऊर्जा खपत को सक्रिय रूप से प्रबंधित करने की सुविधा मिली है।

2014 से भारत के बिजली क्षेत्र में हुए बदलाव, प्रगति और सहनीयता की एक उल्लेखनीय गाथा है। सार्वभौमिक विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा का तेज विस्तार, बेहतर वितरण प्रणाली और बढ़ी हुई ऊर्जा दक्षता जैसी उपलब्धियों के साथ भारत ने दुनिया के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण पेश किया है। हितधारकों की भागीदारी के साथ भारत सरकार की प्रतिबद्धता से देश स्थायी, किफायती और विश्वसनीय ऊर्जा संचालित भविष्य की ओर आगे बढ़ रहा है। इस यात्रा के दौरान, भारत के बिजली क्षेत्र को और मजबूत करने के लिए निरंतर निवेश, नवाचार और सहयोग महत्वपूर्ण होगा, ताकि देश के सभी नागरिकों के लिए एक उज्ज्वल व समृद्ध कल सुनिश्चित किया जा सके।

– प्रस्तुति : पीआईबी रिसर्च यूनिट

संभल जाओ ऐ बेटियों!

*नन्हीं परी घर में आई
हंसा वो आंगन, जो था
सुनसान,
घर की लक्ष्मी, सबकी लाडो,
मां-बाप की वह प्रिय संतान।*

*मम्मी की वो राजदुलारी
पप्पा की प्यारी गुड़िया,
खिलखिलाती थी जब वो
फूटीं खुशियों की फुलझड़ियां।*

*थामे पापा की उंगली
जब कभी वो सैर को चली,
इतराती थी, इठलाती थी
लगती उसकी हर बात भली।*

*उसके लिए छोड़ अपनी
खुशियां
पूरे किए उसके हर अरमान,
उसकी खुशियों की खातिर
कर दी अपनी खुशियां
कुर्बान।।*

*धीरे-धीरे बड़ी हुई वो
जाने लगी स्कूल,
रोज समझाती मां उसको
बेटी, न करना कोई भूल।*

*जालिम है ये दुनियां
फैला बस पाप-व्यभिचार,
बिटिया, तुम बचकर रहना
रखना सदा तुम नेक विचार।*

*संस्कार और चरित्र की
मां देती थी रोज दुहाई,
पर, मॉडर्न युग की प्यारी
गुड़िया
को बात समझ न आई।*

*हुई थोड़ी और बड़ी वो
जाने लगी अब कॉलेज,
समझाते थे मां-बाप जो
उन्हीं से करने लगी परहेज।*

*मां-बाप चाहते थे बेटिया मेरी
बने सुखी घर की रानी,
पर, उसे थी कुछ और जिद
ही
करने लगी थी अपनी
मनमानी।*

*जिसने जतन से पाला-पोसा
उनका भुला दिया सम्मान,
फंस गई वो उसके प्रेम में
दो दिन पहले जिससे हुई
पहचान।*

*उसे क्या पता, यह प्रेम नहीं
प्रेम के नाम बस धोखा है,
चंद दिनों का फिल्मी मेल
झूठ-फरेब का झरोखा है।*

*बाहर से कुछ, भीतर से कुछ
बनता था वो बड़ा महान,
समझ न पाई गुड़िया उसको
वो तो था बस एक शैतान।*

*जिस आंगन में खेली गुड़िया
अब वह लगने लगा था जेल,
उसको तो उस धोखेबाज से
बस करना था अब दूजा मेल।*

*सबकुछ छोड़-छाड़ के
नाते-रिश्ते तोड़-ताड़ के,
चली गई वो साथ उसके
लिव-इन में जाके बस के।*

*जिस मां-बाप ने दी थी
उसको जीवन की ये सौगात,
उन्हीं के लिए बस छोड़ गई वो
हर दिन आंसू की बरसात।*

*आई न उसकी कोई खोज
खबर
ढूंढा फिरता था डगर-डगर,
आफत ये हो गई विकराल
पता चला नहीं उसका हाल।*

*एक दिन टीवी पर जब
देखी उसकी इक तस्वीर,
पता चला गुड़िया का खून
नालियों में बह गया बनकर
नीर।*

*जिस मां-बाप के लिए
वो थी जिगर का टुकड़ा,
टुकड़ों में बंट गई गुड़िया
बनकर टुकड़ा-टुकड़ा।*

*संभल जाओ ऐ बेटियों!
अब भी नहीं हुई है देर,
मां-बाप की बातों को
तुम यूं न जाना ऐसे टेर।*

*बेटियां तो जग की जननी
ईश्वर की अनमोल कृति
फिर क्यों ऐसे मर रहीं
साक्षी, श्रद्धा और सरस्वती।*

- दीपक झा -

शैक्षणिक राजधानी में उच्च शिक्षा की फिर कंगाली

सिटी कॉलेज में पीजी की पढ़ाई बंद, आक्रोश

संवाददाता

बोकारो : बोकारो को झारखंड की शैक्षणिक राजधानी माना जाता है। यहां शिक्षा की गुणवत्ता, बच्चों की मेधाविता अपने-आप में खास रही है। यहां के बच्चों ने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। लेकिन, शिक्षा की राजधानी में उच्च शिक्षा की कंगाली एक बार फिर बढ़ गई है। लंबे समय के संघर्ष और इंतजार के बाद बोकारो स्टील सिटी कॉलेज में स्नातकोत्तर (पीजी) की पढ़ाई शुरू तो हुई, लेकिन इसे फिर बंद कर दिया गया। बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय (बीबीएमकेयू) की 23वीं सिंडिकेट बैठक में बोकारो के सिटी कॉलेज में जारी पीजी पढ़ाई को बंद करने के लिए निर्णय लिया गया। इसे लेकर छात्र नेताओं, विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों में भारी रोष देखा जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि छात्र नेताओं के संघर्ष से बोकारो में उच्च शिक्षा के नाम पर केवल पीजी की पढ़ाई ही थी, जो कठिन परिश्रम, संघर्ष और आंदोलन के फलस्वरूप शुरू हो सकी थी। विनोबा भावे विश्वविद्यालय प्रबंधन के द्वारा सिटी कॉलेज में दो विषयों के साथ इसे प्रारम्भ कराया गया था और बाद में अन्य विषयों की भी पीजी पढ़ाई सिटी कॉलेज के साथ-साथ चास कॉलेज में प्रारम्भ कराने की बात कही गयी थी। इसके पहले बोकारो के छात्र-छात्राओं को पीजी पढ़ाई के लिए धनबाद, हजारीबाग या रांची जाना पड़ता था। इसके कारण बहुत बड़ी संख्या में छात्र उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते थे। विशेषकर अधिकतर छात्राओं की उच्च शिक्षा का सपना अधूरा रह जाता था। सिटी कॉलेज में पीजी पढ़ाई प्रारम्भ होने से बहुत हद तक यहां के छात्र-छात्राओं को उच्च शिक्षा ग्रहण करने में सुविधा हुई थी। शहर में उच्च शिक्षा का माहौल भी बने लगा था। बोकारोवासियों को शहर में अन्य उच्च शिक्षण संस्थान की स्थापना को लेकर आशा जगी थी, लेकिन वह एक बार फिर निराशा की ओर बढ़ चली है।

इस निर्णय से बोकारो के अधिकांश छात्रों का उच्च शिक्षा ग्रहण करने का सपना अधूरा रह जाएगा। अन्य छात्रों के भी अत्यंत कठिनाई का सामना करना पड़ेगा। विश्वविद्यालय को अविलम्ब अपने इस को निर्णय बदल कर सिटी कॉलेज के अलावे चास कॉलेज और बेरमो के केबी कॉलेज में भी अन्य विषयों की पीजी पढ़ाई प्रारम्भ करनी चाहिए, अन्यथा छात्र युवा सड़क पर उतर कर विश्वविद्यालय की मनमानी के खिलाफ उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

इधर, राज्यपाल से इंटर में नामांकन पर रोक का आदेश निरस्त करने की मांग

गोमिया विधायक डॉ लंबोदर महतो ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलकर अपने विधानसभा क्षेत्र के ज्वलंत विषयों और राज्य हित से जुड़े गभीर मुद्दों पर चर्चा की। साथ ही, उनसे सभी समस्याओं के समाधान की दिशा में शीघ्र पहल करने का आग्रह किया। उन्होंने राजभवन जाकर राज्यपाल से गोमिया में बनकर तैयार डिग्री महाविद्यालय का अविलंब उद्घाटन करने और चालू शैक्षणिक सत्र से इसे प्रारंभ करने का आग्रह किया। इसके साथ ही, उन्होंने राज्य के सभी अंगीभूत महाविद्यालयों, जिनमें इंटर कला, विज्ञान व वाणिज्य संकाय में नामांकन लेने पर रोक लगाई है तथा जिसके कारण लाखों छात्र-छात्राएं इंटर की पढ़ाई से वंचित हो जाएंगे, उक्त आदेश को निरस्त करने का आग्रह किया।

विश्वविद्यालय का तुगलकी फरमान, होगा आंदोलन : अमित

भारतीय जनता पार्टी के नेता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य कुमार अमित ने सिटी कॉलेज में जारी पीजी पढ़ाई को बंद करने के लिए निर्णय का विरोध करते हुए इसे विश्वविद्यालय का बोकारो एवं छात्र विरोधी तुगलकी फरमान बताया है। अमित ने कहा विश्वविद्यालय के बोकारो-विरोधी इस निर्णय से हम स्तब्ध हैं। छात्र एवं युवा विरोधी यह निर्णय राज्य की हेमंत सरकार की शह पर विश्वविद्यालय प्रबंधन ने लिया है। हेमंत सरकार नहीं चाहती कि बोकारो उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़े। बोकारो विरोधी इस निर्णय को यहां की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। विश्वविद्यालय प्रबंधन बोकारो-विरोधी इस निर्णय को वापस ले, अन्यथा हम इस तुगलकी फरमान के खिलाफ बोकारो के छात्र नौजवान सहित सभी बोकारो वासियो के साथ भीषण जनांदोलन का शंखनाद करेंगे। अमित के नेतृत्व में छात्र नेताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने सिटी कॉलेज प्रबंधन से मिलकर एक ज्ञापन सौपा एवं विश्वविद्यालय प्रबंधन के द्वारा बोकारो में पीजी पढ़ाई बंद करने के निर्णय को बदलने की मांग की। प्राचार्य की अनुपस्थिति में प्रभारी प्राचार्या माधुरी कुमारी को ज्ञापन देते हुए छात्रों के साथ-साथ बोकारोवासियों की भावनाओं से उन्हें अवगत कराया। प्रतिनिधिमंडल में छात्र नेता सुमन कुमार, पीयूष पल्लव, शिवानंद बेदिया, कमल राज, साधन महतो आदि शामिल थे।

जिम्मेदारी 'उड़ान' संस्था का मुख्य संरक्षक बनीं वंदना पांडेय, लीना दास व सुमन साहू बनीं महासचिव

राष्ट्रोत्थान में महिलाएं सक्षम : विभा

संवाददाता

चन्द्रपुरा : दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के निगमित सामाजिक दायित्व विभाग द्वारा संचालित महिला समूह 'उड़ान' में वंदना पांडेय पेट्रोन तथा लीना दास और सुमन साहू महासचिव बनाई गई हैं। संस्था में वर्षा सिंह और पायल कारक संयुक्त सचिव, अनुराधा प्रियदर्शी, शिवानी ठाकुर और विभा कुमारी उपसचिव, नीलम गुप्ता, राजमणि कुजूर और अंशु चौधरी संयुक्त सचिव के अलावा श्वेता रानी, शालिनी गुप्ता, अमृता पांडेय, सुप्रभा एस जॉली, प्रतिभा खलखो, पूनम पांडेय, मंटू संस्था के कार्यकारी सदस्य मनोनीत किए गए हैं।

चंद्रपुरा के ऑफिसर्स क्लब में संस्था द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में डीवीसी की प्रथम महिला और डीवीसी के चेयरमैन की सहधर्मिणी विभा सिंह ने कहा कि महिलाओं को प्रेम पूर्वक अपनी कौशल क्षमता को हमेशा निखारते रहना चाहिए। इस तरह के प्रयास से परिवार समाज और देश की उन्नति होने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि उड़ान से संपर्क रखने वाले सभी महिलाओं को हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहना चाहिए। सप्ताह में दो दिन बैठक करनी चाहिए। परिवार और समाज की समृद्धि के लिए योजनाओं का लाभ उठाना चाहिए। उड़ान से जुड़ी महिलाओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि उड़ान की सभी बहनों को प्रेम भाव से अपने कार्य को सफलतापूर्वक निपटारा करना चाहिए। काम सभी बराबर होते हैं। प्रेम पूर्वक राष्ट्र और अपने परिवार को ऊंचाई तक ले जाने में आप सक्षम हैं।

उन्होंने कहा कि डीवीसी भी एक परिवार है। इसमें कोई भेदभाव नहीं होनी चाहिए। उन्होंने चंद्रपुरा के पर्यावरण और खूबसूरती की प्रशंसा की और कहा कि हम सभी को मिलकर इसकी खूबसूरती को और अधिक निखारने के लिए हमेशा प्रयास करना चाहिए। कम्युनिकेशन गैप आपस में नहीं होनी चाहिए। हम महिलाओं को जागरूक होकर अपने सकारात्मक कार्य को अंजाम तक पहुंचाने चाहिए। इसके पूर्व समारोह का शुभारंभ श्रीमती विभा सिंह, श्रीमती वंदना पांडेय, श्रीमंती एम भार्गवी, श्रीमती अधेलिना जॉन, श्रीमती संगीता सरकार आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया। अतिथियों को महिलाओं ने स्वागत किया। अतिथियों ने उड़ान संस्था द्वारा निर्मित सामग्रियों की खरीदारी स्टॉल पर जाकर की और निर्मित सामग्रियों की प्रशंसा की। समारोह में उप महाप्रबंधक प्रशासन टी टी दास और प्रमोद कुमार झा आदि उपस्थित थे।

टीटीई यात्रियों पर निकाल रहे थे तबादले की खीझ, सस्पेंड

संवाददाता

बोकारो : ट्रेन में सफर के दौरान टिकट जांचने का काम करने वाले टीटीई आसिफ अली का तबादला स्टेशन पर क्या कर दिया, उनके आक्रोश का कोई ठिकाना नहीं रहा। वह आए दिन यात्रियों से बदसलूकी और मारपीट के लिए चर्चा का केंद्र बन गए। हाल ही में आसिफ ने हटिया-कोसी में सफर रहे रांची के एक यात्री राजेश राजेश कुमार मुंडा के साथ आसिफ ने काफी मारपीट की। उसे जानवरों की तरफ घसीट-घसीटकर इतना मारा कि आफिस की कुर्सी और प्रिंटर तक टूट गई। राजेश का कसूर बस इतना था कि उसने टिकट दिखाने में थोड़ी देर कर दी। दरअसल, इंटरनेट का स्पीड स्लो था, जिसके कारण ई टिकट लोड होने में देर हो गई। तब तक आसिफ ने उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी।

बोकारो रेलवे स्टेशन पर ऑन ड्यूटी टीसी के खिलाफ भुक्तभोगी यात्री राजेश ने रेलवे थाना बोकारो में लिखित शिकायत की। ट्विटर पर रेलमंत्री सहित रेलवे के आला अफसरों से शिकायत की, जिसका नतीजा यह हुआ कि बदमिजाज टीटीई को सस्पेंड कर दिया गया। अपनी शिकायत में राजेश ने कहा कि वह पांच जून को हटिया कोसी एक्सप्रेस से बोकारो आए थे। जब ट्रेन से उतरकर स्टेशन से बाहर निकल रहे थे, तो टीसी आसिफ अली ने उनसे टिकट दिखाने को कहा। उनके पास ऑनलाइन टिकट था, परंतु नेटवर्क ना होने की वजह से वह अपने मोबाइल के जरिए टिकट नहीं दिखा पाए। इसके बाद टीसी यात्री को अपने ऑफिस में गए। वहां उनके साथ बदसलूकी करते हुए मारपीट की।

सूत्रों के अनुसार आसिफ की पोस्टिंग पहले चलती ट्रेन में थी। अब स्टेशन पर उनकी ड्यूटी लगा दी गई है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि आसिफ को चूंकि पहले रनिंग ट्रेन में कमाई के अवसर मिलते थे। टिकट के नाम पर कमाई हो जाती थी, लेकिन स्टेशन पर पोस्टिंग होने के बाद से उनकी इस अतिरिक्त कमाई पर रोक लग गई है, जिसके कारण वह खिझे रहते थे और अपनी खीझ यात्रियों पर ही निकालते थे। बताया जाता है कि उनके साथ काम करने वाले रेलकर्मी भी उन्हें ऐसी हरकत करने से मना करते थे, लेकिन वह किसी की नहीं सुना करते थे।

अगले साल तक कसमार के हर घर में बहाल हो जाएगी जलापूर्ति : चंद्रप्रकाश

सांसद-विधायक ने किया 1000 मिलियन टन के गोदाम-निर्माण का शिलान्यास

संवाददाता

बोकारो : गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी व गोमिया विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने कसमार प्रखंड सह अंचल मुख्यालय परिसर में भवन निर्माण विभाग भवन प्रमंडल बोकारो की ओर से एक हजार मिलियन टन भंडारण गोदाम निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इसकी प्राक्कलित राशि लगभग एक करोड़ 19 लाख रुपए है। इस दौरान गिरिडीह सांसद ने कहा कि गिरिडीह लोकसभा क्षेत्र का विकास ही उनका धर्म और कर्म है। अन्न भंडारण गोदाम निर्माण कार्य का गुणवत्ता अच्छी हो, इसका ख्याल रखा जाएगा। कहा कि गांवों के विकास में सड़कें व पुल-पुलिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। श्री चौधरी ने कहा कि वर्ष 2024 तक कसमार के सभी घरों में तेनुघाट डैम से जलापूर्ति बहाल हो जाएगी।

इस अवसर पर गोमिया विधायक ने कहा कि मेरा कार्यकाल 5 साल पूरा होते ही कसमार, पेटरवार व गोमिया प्रखंड के सभी गांवों तक विकास कार्य पहुंचाएंगे। अपने वादे के अनुसार कसमार प्रखंड के सर्वांगीण के लिए हर संभव विकास कार्य की योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। विकास कार्य को अमली जामा देने में किसी प्रकार की कोताही नहीं हो रही है। कहा कि जल्द ही अन्य योजनाओं की सौगात कसमार को देने का काम करेंगे। सभी गांवों में प्राथमिकता के आधार पर विकास कार्यों में गति दिया जाएगा। मौके पर कसमार जिप सदस्य अमरदीप महाराज, संवेदक अविनाश कुमार, सुभाष कुमार, रामकुमार, कनीय अभियंता विशाल कुमार, धनलाल कपरदार, शिशुपाल महतो, कमल किशोर कपरदार, सपन सिंह, सूरज जायसवाल, संतोष महतो, राजू महतो, सदानंद मुखर्जी, अलटू अंसारी, समीर गोस्वामी, एनुल अंसारी, प्रदीप मुखर्जी, गोपाल महतो आदि समेत दर्जनों लोग मौजूद थे।

शूटिंग की विभिन्न स्पधाओं में चार स्वर्ण जीत ओशो ने दिखाया अपना दमखम

संवाददाता

बोकारो : जिले के बालीडीह थाना में बतौर मुंशी पदस्थापित पुलिसकर्मी ओशो प्रदीप ने एक बार निशानेबाजी में अपने कौशल का शानदार प्रदर्शन किया है। पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता की विभिन्न स्पधाओं में ओशो ने चार स्वर्ण पदक अपनी झोली में कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। रेंज पुलिस ड्यूटी मीट 2023, कोलफील्ड रेंज में प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक जीता, साथ ही स्टेट पुलिस मीट में अपनी जगह पक्की कर ली। इसके बाद झारखंड पुलिस कोयला क्षेत्रीय पुलिस शूटिंग प्रतियोगिता 2023 में कार्बाइन फायरिंग और 200 गज राइफल फायरिंग में भी उन्हें प्रथम स्थान मिला। दोनों फायरिंग में अच्छे प्रदर्शन के लिए जैप- 4 के कमांडेंट अश्विनी कुमार सिन्हा ने उन्हें स्वर्ण पदक देकर प्रोत्साहित किया। ओशो राइफल 200 गज, कार्बाइन स्टैंडिंग पोजीशन, लाइन पोजीशन और बेटल क्रॉस पोजीशन में गोल्ड जीते। वहीं, निलिंग पोजीशन में दूसरा स्थान प्राप्त किया। कार्बाइन में ऑवरऑल चैंपियन का खिताब ओशो को मिला और इसके साथ ही वह राज्यस्तरीय शूटिंग प्रतियोगिता के लिए भी चुन लिए गए।

सियासत भाजपाइयों की बैठक में चंदनकियारी विधायक ने सरकार पर साधा निशाना

सरकारी अकर्मण्यता से चालू नहीं हुआ बरमसिया पावरग्रिड : अमर

संवाददाता

चंदनकियारी : भारतीय जनता पार्टी के विकास तीर्थ अभियान के तहत भाजयुमो के बोकारो जिला कार्यसमिति की बैठक स्थानीय रविंद्र भवन में मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। इस अवसर पर स्थानीय विधायक सह- भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष अमर बाउरी ने कहा कि बरमसिया पावरग्रिड का निर्माण राज्य की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा की गई। परंतु राज्य की हेमंत सरकार की अकर्मण्यता के कारण इसे अब तक चालू नही कराया जा सका। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में जहां संपूर्ण विश्व में राष्ट्र का सम्मान बढ़ा है, वहीं राज्य में हेमंत सरकार के कार्यकाल में पूरे राज्य में अराजकता का माहौल है। राज्य सरकार निरंतर ही युवाओं को ठग रही है और उनका शोषण कर रही है। राज्य में भय, भूख और भ्रष्टाचार चरम पर है, इसलिए युवा मोर्चा के कार्यकताओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है।

एक सवाल के जवाब में विधायक ने कहा कि केंद्र की नल जल योजना जलस्तर के सूखने के कारण कारगर साबित नहीं हो रही है। मौके पर शशांक राज, राजीव जायसवाल, ब्रजमोहन दुबे, अविनाश सिंह, विक्की राय, कुलदीप महथा, मनोज पांडेय, राज सिंह, अशोक शर्मा, फटीक दास, विनोद गोराई, कनक कुमार, बुलेट सिंह, निर्भय कुमार, समर ठाकुर, राघव मिश्र, भरत सिंह, अर्जुन कुमार, संतोष कुमार, विकास मोदक, ललन शर्मा, आलोक वर्मा, सनी आनंद, श्रीकांत राय, हीरालाल मंडल, कृष्णा पांडेय, सुरेंद्र महतो, विशाल गौतम, विजय दसौंधी, भीम कर्मकार, अजीत धर, अंकित पांडेय, महाराज सिंह चौधरी, जयशंकर कुमार, गणेश सिंह चौधरी, पवन कुमार आदि मौजूद रहे।

हफ्ते की हलचल

डीपीएस चास में नई शिक्षा नीति पर प्रशिक्षण

बोकारो : डीपीएस चास में नई शिक्षा नीति पर दोदिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। पहले दिन का उद्घाटन चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा तथा दूसरे दिन के मुख्य अतिथि सह रिसोर्स पर्सन बोकारो इस्पात सीनियर सेकेंडरी स्कूल, 8बी के प्राचार्य शिवशंकर यादव थे। ईमानदारी और नैतिकता विषयक कार्यशाला में श्री यादव ने एक छात्र के चरित्र और व्यक्तित्व के निर्माण में शिक्षक की नैतिक जिम्मेदारी विषय पर अपना व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका होती है। डीपीएस चास की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि शिक्षकों का यह हमेशा प्रयास होना चाहिए कि बच्चे कैसे ईमानदार और नैतिक सिद्धांतों का पालन करने वाले बने कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने कहा कि स्कूल में ही विद्यार्थी ईमानदारी और नैतिकता का पाठ पढ़ते हैं। डीएस मेमोरियल सोसाइटी के सचिव सह डीपीएस चास सदस्य सुरेश अग्रवाल ने कार्यक्रम के सफल आयोजन पर सभी को बधाई दी।

इसरो वैज्ञानिक रजनी रंजन को किया गया सम्मानित

बोकारो : जरीडीह बाजार स्थित अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में इसरो में वैज्ञानिक रजनी रंजन को सम्मानित किया गया। यह सीनियर रिसर्च के रूप में एसएसी इसरो गुजरात में 03 मई 2023 को नियुक्ति हुई है। रजनी रंजीत प्रसाद चौरसिया की पुत्री एवं शिशु मंदिर की पूर्व छात्रा रही है। विद्यालय के प्रधानाचार्य कमलजीत सिंह एवं सचिव अनिल अग्रवाल तथा तमाम शिक्षक जनों के द्वारा उन्हें पुष्पगुच्छ शॉल तथा श्रीफल देकर सम्मानित किया गया। इसमें मुख्य रूप से कोषाध्यक्ष उपेंद्र गुप्ता पूर्व सचिव रंजीत प्रसाद चौरसिया पूर्व छात्र निरल कुमार, प्रभात कुमार विद्यालय के आचार्य बंधु भगिनी सुरेश लाल सुभाष चंद्र झा, महेंद्र मंडल, रुबीना, शकुंतला, काजल, दीक्षा, श्वेता, खुशबू, अरुण, धीरज आदि उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए वरिष्ठ रोटेरियन सम्मानित

बोकारो : चास रोटरी क्लब द्वारा रोटरी भवन चीरा चास में अवॉर्ड फंक्शन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रोटरी सत्र 2022- 23 के दौरान क्लब द्वारा किए गए कार्यक्रमों में सहयोग एवं संयोजन तथा उत्कृष्ट कार्य के लिए सदस्यों को पुरस्कृत किया गया। क्लब के अध्यक्ष नरेंद्र सिंह ने आगंतुकों का स्वागत किया। पूर्व अध्यक्ष डॉ सुमन ने अवॉर्ड फंक्शन के महत्व पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सीआरपीएफ के कमांडेंट कमलेंद्र प्रताप सिंह ने चास रोटरी के सामाजिक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि पुरस्कार से हमें बेहतर कार्य करने की प्रेरणा मिलती है। श्री सिंह ने कहा कि पुरस्कार से प्रतिस्पर्धा एवं प्रतियोगिता की भावना का विकास होता है। नगर सेवा के मुख्य महाप्रबंधक बीएस पोपली ने कहा कि पुरस्कार वितरण से व्यक्ति के आत्म-सम्मान में वृद्धि होती है। मौके पर इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष संजय बैद, डॉ सुमन कुमार, विपिन अग्रवाल, विनय सिंह, माधुरी सिंह, कुमार अमरदीप, मंजीत सिंह, डिंपल कौर, अर्चना सिंह, डॉ पुष्पा, धनेश बंका, विनोद चोपड़ा, ललिता चोपड़ा और डॉ. संजीव को उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया। चास रोटरी की सचिव पूजा बैद को स्टार रोटेरियन का अवार्ड दिया गया। इसके अलावा डेंटल एसोसिएशन के 17 डॉक्टरों को भी समाज में दिए गए उनके सहयोग के लिए पुरस्कृत किया गया।

कुष्ठ रोगियों की खोज के लिए चलेगा विशेष अभियान

गोमिया : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, गोमिया में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. जितेंद्र कुमार ने कुष्ठ रोगी खोज अभियान तथा पल्स पोलियो अभियान को लेकर एक बैठक आयोजित की। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी कपिल कुमार, अंचलाधिकारी संदीप अनुराग टोपनो, सीडीपीओ अलका रानी, डा.निशा किड्डो मुख्य रूप से उपस्थित थे। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोमिया के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ.जीतेंद्र कुमार ने बताया कि 28 जून तक एलसीडीसी कार्यक्रम के तहत कुष्ठ रोगी का शुरूआती स्टेज में खोजने का अभियान चलाया जा रहा है, जिसमें 298 टीमें कार्यरत हैं, जिसमें 50 सुपरवाइजर शामिल हैं। टीम में शामिल स्वास्थ्यकर्मी घर-घर जाकर कुष्ठ रोग के लक्षणों के आधार पर रोगी की पहचान कर उन्हें अस्पताल लायेंगे, जहां उनका उपचार किया जाएगा। वहीं, उन्होंने कहा कि दूसरा कार्यक्रम पल्स पोलियो का है, जो 2 जुलाई से 4 जुलाई तक चलेगा, जिसमें पहले दिन बूथ एक्टिविटी के तहत पोलियो बूथ पर 0 से 5 साल के बच्चों को पोलियो की खुराक दी जाएगी। उन्होंने कहा कि 40,000 बच्चों को पोलियो की ड्रॉप पिलाने का लक्ष्य है और यह विशेष अभियान है। बैठक में एमटीएस मनोज सोरेन, गौतम कुमार, प्रदीप कुमार, तौफीक आलम, एएनएम सुधा रानी, कुमकुम सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

कोयला तस्करी... सरकार का आदेश ठेंगे पर

दुस्साहस... सीएम व डीजीपी के निर्देश के बाद भी जारी है अवैध माइनिंग, झारखंड में बंगाल व यूपी के कोयला तस्कर सक्रिय

अवैध माइनिंग में मौतों का जिम्मेदार कौन?

देवेंद्र शर्मा

रांची/धनबाद : प्रदेश में सरकार का इकबाल लगभग खत्म होता नजर आ रहा है। राज्यहित में जारी सरकार के हर उस आदेश को जिला के शीर्ष अधिकारी डस्टबिन अथवा फाइल में बांधकर ठंडे बस्ते में डाल रहे हैं, जो उनकी ऊपरी कमाई में बाधक बन रहे हैं। झारखंड में अवैध माइनिंग और अपराध का ग्राफ इस कदर तेजी से ऊपर भाग रहा है, जैसे इस पर अंकुश लगाने वाला कोई बचा ही नहीं हो।

गुरुवार 9 जून को सबेरे धनबाद जिला के भौंरा स्थित बीसीसीएल की एक बन्द खदान में एक विशालकाय चाल का भाग एकाएक जोरदार धमाके के साथ गिर पड़ा। चाल के ठीक नीचे अवैध माइनिंग कराने वाले एजेंट ने दो दर्जन से अधिक मजदूरों को लगा रखा था और खुद पास की नदी के किनारे बैठकर अवैध माइनिंग से काटे गये कोयले को नाव पर लदवाकर उसे रानीगंज भेजवा रहा था। चाल के गिरने और मजदूरों के फंसने की सूचना पर एजेंट एकाएक वहां से फरार हो गया। जानकारों की मानें तो अवैध उत्खनन का काम रानीगंज के कोयला माफिया ए मांझी का चल रहा था और एजेंट माधो के द्वारा सम्पादित हो रहा था। चर्चा है कि धनबाद के माधो बाबू के नाम पर पुलिसकर्मी और पत्रकार भी कार्रवाई से मुंह मोड़ लेते हैं। धनबाद में इनका सिंडिकेट चलता है। अवैध माइनिंग में चाल गिरने से तीन लोगों की मौत घटनास्थल पर हो गई, जबकि एक दर्जन मजदूर गंभीर रूप से घायल हुए, जिनकी चिकित्सा स्थानीय निजी अस्पताल में करायी जा रही है।

दरअसल, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और प्रदेश के डीजीपी ने दो माह पूर्व ही एक फरमान जारी कर अवैध उत्खनन पर रोक लगाने का निर्देश दिया था। निर्देश में स्पष्ट लिखा गया था कि जिस जिले में अवैध उत्खनन की सूचना मिलेगी या दुर्घटना होगी, उस जिले के शीर्ष पुलिस अधिकारी और सम्बन्धित थाने को दोषी माना जायेगा। जबकि, प्रदेश में लगातार अवैध माइनिंग होने की सूचना है। दुर्घटनाएं भी हो रही हैं, लोग मर भी रहे है। संथाल, पलामू में अवैध माइनिंग बेरोक-टोक चल रही है।

मुख्यमंत्री ने जताई चिन्ता, करेंगे समीक्षा

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसी हफ्ते प्रदेश की विधि-व्यवस्था और अपराध की समीक्षा बैठक करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में लगातार बढ़ते अपराध की घटनाओं पर चिन्ता व्यक्त की है। बैठक में जिला के शीर्ष पुलिस अधिकारियों को उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है। समीक्षा बैठक में ही अवैध माइनिंग और उनसे होने वाली मौत की फाइल खुलने वाली है। सूत्रों का कहना है कि धनबाद की घटना पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताई है। कुछ जिला के शीर्ष अधिकारियों पर गाज गिरने की भी चर्चा है। जिले में बढ़ते अपराध और अपराधियों पर नकेल कसने के लिए पुलिस मुख्यालय को निर्देश दिया गया है।

पारा 45 डिग्री पर, इस हफ्ते और झेलनी होगी मौसम की तल्खी

संवाददाता

रांची : मौसम की तल्खी इस हफ्ते अभी और बर्दाश्त करनी होगी। अगले कुछ दिनों तक मौसम में किसी तरह का कोई परिवर्तन नहीं होने के आसार दिख रहे हैं। गर्मी बदस्तूर जारी रहेगी। मौसम विज्ञान केंद्र रांची के मुताबिक 20 जून तक बारिश के फुहारों की उम्मीद की जा सकती है। इसी तारीख तक झारखंड में मानसून के पहुंचने की उम्मीद है। इसके बाद ही कुछ राहत मिल सकती है। फिलहाल राज्य के अधिकांश जगहों पर हीटवेव का असर देखा जा रहा है। पारा लगभग 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। पलामू और आसपास के जिलों में तापमान 44 के आसपास पहुंच चुका है। राजधानी रांची का तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की स्थिति में है। मौसम विज्ञान केन्द्र के निदेशक अभिषेक आनंद के अनुसार राज्य में अगले पांच दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में कोई बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। ऐसे में इस तपती गर्मी से बचकर रहने की सलाह दी गई है। वहीं राज्य के 9 जिलों का तापमान 40 के पार पहुंच चुका है। जबकि मॉनसून 18 से 20 जून तक राज्य में प्रवेश करेगा। इसके बाद ही राहत के आसार हैं। आमतौर पर मॉनसून झारखंड में 14 से 15 जून तक प्रवेश कर जाता है, लेकिन इस बार 4 से 5 दिनों की देरी से प्रवेश करने की संभावना जताई जा रही है। फिलहाल उमस और तपती धूप से जनजीवन बेहाल है। गर्मी और लू को देखते हुए राज्य में स्कूलों की गर्मी छुट्टी और तीन दिन बढ़ा दी गई।

भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में शिक्षकों की भूमिका अहम : डीडीसी

सतीश कुमार झा

सीतामढ़ी : सीतामढ़ी में नई शिक्षा नीति तथा जी-20 मीटिंग से संबंधित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें जिले के विभिन्न सरकारी एवं निजी विद्यालयों के लगभग 72 शिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि उप विकास आयुक्त-सह-नामित अध्यक्ष केंद्रीय विद्यालय जवाहर नगर तथा विद्यालय के प्राचार्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्जवलित कर किया गया। तत्पश्चात विद्यालय के प्राचार्य नरेश बाबू अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ एवं अंग-वस्त्र प्रदान कर औपचारिक रूप से उनका स्वागत किया। इसके उपरांत प्राचार्य ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने जी-20 पर चर्चा करते हुए बताया कि दिसंबर 2022 से भारत इसकी अध्यक्षता कर रहा है। साथ ही इस समूह के 20 देशों के पास लगभग 80 से 90% संपूर्ण विश्व के जीडीपी का अंश है। शिक्षा कार्य समूह जी-20 का एक बहुत ही महत्वपूर्ण अंग है। उप विकास आयुक्त, सीतामढ़ी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता को रेखांकित किया एवं वर्तमान संदर्भ में नई शिक्षा नीति तथा मूलभूत अक्षर एवं अंकज्ञान को अपरिहार्य बताया। उन्होंने भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने हेतु शिक्षकों की भूमिका पर बल दिया। कार्यशाला में सर्वप्रथम विद्यालय के प्रधानाध्यापक मधुरेंद्र कुमार मिश्रा ने विद्या प्रवेश, खिलौने पर आधारित शिक्षा शास्त्र, जादुई पिटारा, निपुण भारत मिशन पर विस्तार से समझाया। इसके बाद विद्यालय के प्राथमिक शिक्षक बबलू प्रसाद ने मूलभूत गणना के लक्ष्य के बारे में शिक्षकों को समझाया। उन्होंने कहा कि गणना के बिना कोई कार्य संभव ही नहीं है। उक्त कार्यक्रम का समापन मानस कुमार (पीजीटी हिंदी) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजन की सफलता में संगीत शिक्षिका प्रतिमा दत्त, रमा सिन्हा, उमा शंकर प्रसाद, अजीता भटनागर, प्रकाश चंद्र, राम सेवक मिश्र, इंद्रजीत कुमार आदि समस्त शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

दरभंगा टू मुंबई 20 हजार, एयर फेयर बढ़ोत्तरी ने बढ़ाई परेशानी

मिथिला डायरी

दरभंगा : दरभंगा एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले लोगों को महंगी दर पर यात्रा करनी पड़ रही है। दरभंगा से मुंबई का किराया 20 हजार पार कर गया है। वहीं, दरभंगा से हैदराबाद, बेंगलुरु और अहमदाबाद का किराया भी बढ़ गया है। बेस प्राइस से कई गुना ज्यादा किराया वसूला जा रहा है, लेकिन यात्रियों के पास कोई और विकल्प नहीं होने के कारण वे महंगी कीमत पर यात्रा के लिए विवश हैं। दरभंगा एयरपोर्ट से उड़ानों के लिए निर्धारित बेस प्राइस से कई गुना अधिक भाड़ा लेने पर अब कई संगठनों की ओर से आवाज भी उठाई जा रही है। बावजूद इसके किराये को नियंत्रित करने की दिशा में कोई कदम नहीं उठाए जाने से लोगों में निराशा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सामान्य दिनों में मुंबई से दरभंगा का किराया छह से आठ हजार के बीच रहता है, लेकिन अब जून में किराया 20 हजार से पार चला गया है। समाचार लिखे जाने तक दरभंगा से मुंबई के लिए 10 जून को 20,970 रुपए रहा। दूसरी तरफ, गर्मी की छुट्टियों में ट्रेन में भी भीड़ गई है। कई स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही हैं। इसके बावजूद यात्रियों को कंफर्म टिकट नहीं मिलने के कारण लोग विमान सेवा का सहारा ले रहे हैं। हालांकि, विमान से यात्रा करने वाले कई लोग किराया बढ़ने के बाद अब रेल टिकट की जुगाड़ में लग गए हैं।

मन को जोड़ो मनोयोग से

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

हर मन का सहज स्वभाव है प्रसन्नता, आनन्द। खुश रहना, हंसना, हर बात में आनन्द को देखना, लेकिन जब आप अपने मन के इस सहज स्वभाव के विपरीत अपने आप को खड़ा कर देते हैं तो आप सावधान हो जाइए! आप जा रहे हैं ऐसी दिशा में, जिसे कहते हैं डिप्रेशन। डिप्रेशन से ग्रसित व्यक्ति को ऐसा प्रतीत होता है कि वह किसी गहरे, अंधेरे गुफा में फंसा हुआ है, जिसका न कोई आदि है, न अंत। इस गहरे अंधेरे सुरंग में फंसे रहना उसकी नियति है और वह इससे बाहर नहीं आ सकता है। एकमेव मृत्यु उसे इस पीड़ा से मुक्त कर सकती है। यह विचार जीवन के सिद्धान्त के विरुद्ध है, जीवन पर आघात है।

ऐसी कोई रात नहीं है, जिसके बाद उषा नहीं आती है। ऐसी कोई अमावस्या नहीं है, जिसके बाद पूर्णिमा नहीं आए। परंतु गहन निराशा में डूबा व्यक्ति को लगता है कि उसके जीवन का न कोई उद्देश्य है तथा वह नहीं रहेगा तो दुनिया उसके नहीं रहने से बेहतर हो जाएगी। यह जीवन घाती सोच जीवन के विरुद्ध है। यह भी सच है कि कोई व्यक्ति निराश होना नहीं चाहता है। परंतु चोरी-छुपे निराशा हमें धर पकड़ लेती है। निराशा की अनुभूतियों को मंद करने के लिए कभी मादक द्रव्य, कभी लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद तो कभी काम का सहारा लिया जाता है। पूरा ध्यान इस बात पर होता है कि भावनाओं का सामना नहीं किया जाए। उसका सामना करने की शक्ति नहीं होती है। मन के अन्दर बहुत अधिक शोरगुल मचा होता है और उस शोरगुल में सबसे तेज आवाज कह रही होती है- क्या लाभ! तुम इसके लायक नहीं हो, करके क्या होगा?

यह आवाज नहीं कैंची है, जिसका उद्देश्य तुम्हारे स्वाभिमान और आत्मविश्वास को कतरकर तुम्हें निराशा के गहरे अंधेरे दलदल में डाल देना है, जहां से बाहर निकलना असंभव तो नहीं, पर दुर्गम अवश्य है। इस अवस्था की शुरूआत होती है, जब तुम किसी बात का गलत अर्थ निकालना शुरू कर देते हो, किसी बात को ठीक ढंग से नहीं समझते हो। यह समस्या सबके साथ है और यदि इसके निराकरण करने की कोशिश नहीं की जाए तो यह समस्या बढ़ती है, तुम उद्देश्य विहीन होने लगते हो, आशाएं चूक जाती हैं और मन थक जाता है।

मन की थकान शरीर को थका देती है और धीरे-धीरे कई प्रकार की व्यथाएं शरीर में उभरने लगती हैं। मूलतया मनुष्य एक भयभीत प्राणी है। बचपन से लेकर मृत्यु तक वह डरा हुआ रहता है। हालांकि, बचपन में हुई परवरिश पर हमारा नियंत्रण नहीं होता है, लेकिन बड़े होने पर तो हम अपनी सोच को नियंत्रित कर ही सकते हैं।

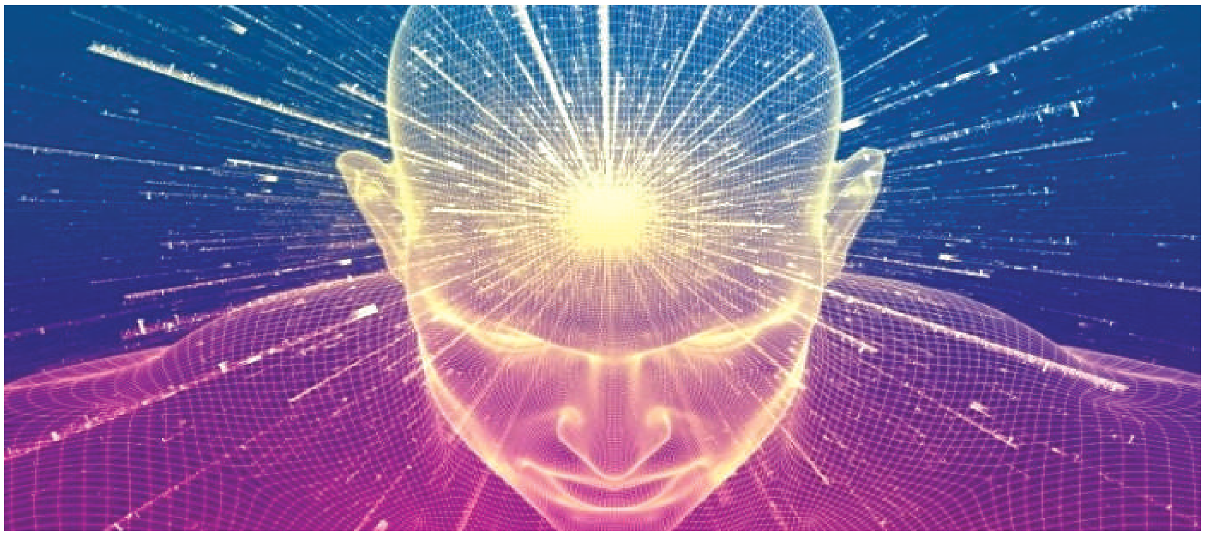

दूसरों को अपना मूल्यांकन मत करने दो

दरअसल, बहुत साधारण मात्रा में सत्य बस इतना है कि तुम अपना मूल्यांकन करने की स्वतंत्रता किसे दे रहे हो? जिसे भी दोगे, वह तुम्हें कतरनों से काट देगा। क्योंकि, बिना तुम्हें काटे-छांटे वह तुम्हें अपने अनुरूप उपयोगी नहीं बना पाएगा। दूसरा, जितना अधिक अंधेरे में उसका मन दबा हुआ है, उतना अधिक वह आक्रामक व्यवहार करेगा। उसका मूल्यांकन उतना निर्मम होगा। इसलिए प्रत्येक स्थिति में तुम्हें अपना मूल्यांकन स्वयं करना है। यह बात कहना सरल है, मगर जब तुम उदासी के घने भंवर में घुसे हुए हो, उस समय मन को समझाना है कि अंधेरा तो बिल्कुल नहीं है।

आरम्भ तो हमेशा 'अ' से ही होता है। पहले यह समझो कि इस भंवर में तुम आए कैसे? तुम्हारा मन एक डगमगाती हुई सी नाव है। कभी इधर, कभी उधर डोलना उसकी प्रवृत्ति है और यह हर व्यक्ति का सत्य है।

जिन बातों का वह समर्थन करता है, उसी को काटना और उसके विपरीत दिशा में चले जाना उसका स्वभाव है। इसमें हमारा कोई दोष नहीं है, यह मन का स्वभाव है। अब, ऐसा तो है नहीं कि जिनके साथ हम रहते हैं, उनका मन दृढ़ और शांत है।

नहीं! बल्कि उनका मन भी उतना ही डोल रहा है, जितना कि तुम्हारा। इसलिए एक व्यक्ति का व्यवहार एक के साथ अलग एवं दूसरों के साथ भिन्न होता है। जैसे पुत्र के परीक्षा परिणाम आए। पिता ने पूछा 'कितने अंक आए' पुत्र ने कहा- 100 में 90 आए गणित में। पिता ने कहा- 10 अंक कहां छोड़ आए? पुत्र ने कहा- Silly Mistakes हो गए थे। पिता क्रोधित होकर बोले- ध्यान कहां रहता है तुम्हारा? पुत्र की आंखें डबडबा गईं। सोचा 90 अंक आए तो वह नहीं देखा, पर बोला कुछ नहीं, कमरे में चला गया। उसका मन अशांत था और उसमें पिता के प्रति रोष था।

वही पिता टहलने चल दिए। पुत्र को डांटा था, अकारण डांटा था। दोस्तों से मिले सैर पर और बोले- 'मैं कितना खुशनसीब हूं, मेरा बेटा इतना होशियार है कि गणित में 90 अंक लाया।'

एक व्यक्ति, एक घटना और दो विरोधी क्रियाएं-प्रतिक्रियाएं, जिसके कारण पुत्र के मन में रोष के बीज पड़ गए। उसे लगा कि पिता मुझे प्यार नहीं करते हैं। ऐसी अनेकों घटनाएं तुम्हारे मन में बैठी हुई हैं और वह मन में बिखराव उत्पन्न करती हैं।

मन की निराशा को हटाना है

मन की निराशा को हटाना है और नवीन रचना करनी है। उदासी लक्षण है मन के बिखराव का। मन रोज इन घटनाओं के कारण टूट रहा है तथा उसे जोड़ने के लिए तुम्हें कुछ नया रचने की आवश्यकता है। देखो! शरीर में रोज विलय एवं निर्माण की क्रिया चल रही है। इसके कारण ही शरीर जीवित है। मन को भी टूटने के बाद कुछ नया रचना जरूरी है। जैसे बागवानी, भोजन पकाना, व्यायाम, जिसमें शरीर का निर्माण हो रहा है। भावों को लिखना (साहित्य)। मन की व्यथा से जब कुछ नया बनता है, मन जुड़ता है। इस योग से आशा फूटती है, विश्वास गहरा होता है। दोनों जीवनदीप के बाती और तेल हैं। इनके परस्पर सहयोग से मन स्वस्थ और शांत बनता है। सबल मन खुश और भावनात्मक रूप से बैलेंस में है। उसे मन की पीड़ाओं को मूर्छित करने के लिए मदिरा, मार-काट, वाद-विवाद, काम या फिर व्यर्थ की खरीद-फरोख्त में डूबने की आवश्यकता नहीं है। क्योंकि, उसे अपने मन को जोड़ना आता है।

मनोयोग- मन का योग सृजन से

मन जितना अधिक जुड़ा हुआ रहेगा, उसी अनुपात में प्रसन्न रहेगा। आश्चर्य की बात नहीं है कि योग जिसे डिप्रेशन दूर करने में लाभकारी माना गया है, उसका अर्थ जुड़ाव है। हालांकि, यह भी सत्य है कि मन का टूटना उसकी नियति है। उसका प्रारब्ध या मन का स्वभाव है कि वह टूटेगा और भी बिखरेगा, लेकिन उसे जोड़ने हेतु हमें उन टूटे टुकड़ों से नया रचना पड़ेगा, कुछ ऐसा जहां अपेक्षा नहीं हो, बस प्रसन्नता को पाने के लिए उस रचना को किया जाए। धीरे-धीरे मन के पुराने रोष धुलने लगेंगे और नई शुरूआत की पहल उठेगी।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

अच्छी सेहत के लिए अपनाएं ये टिप्स

- ब्लड शुगर लेवल को स्थिर करने और अगले भोजन में आपको अधिक खाने से बचाने के लिए मीड मील महत्वपूर्ण होता है। इसलिए आप भी इस समय के दौरान दही, बेरी पारफेट, अंकुरित मूंग, नारियल और नट्स आदि जरूर खाएं।
- घास पर नंगे पैर चलना/आउटडोर मील लेना। यह आपको अपने आस-पास से जुड़ने में मदद करता है और आप जो भोजन कर रहे हैं उसके बारे में अधिक ध्यान रखते हैं। साथ ही नंगे पैर चलने से आपको तनाव दूर करने और आंखों की रोशनी में सुधार करने के साथ-साथ सूजन कम करने में मदद मिलती है।
- गुड फैट वाले फल इंसुलिन स्पाइक्स को कम करने में मदद करते हैं और आपको लंबे समय तक भरा हुआ रखते हैं। इसलिए इसे अपनी डाइट में शामिल करें।
- हरी सब्जियों का जूस पीने से आपके फाइबर का सेवन बढ़ता है, इससे ब्लड शुगर लेवल और कोलेस्ट्रॉल लेवल नियंत्रित रहता है। हरी पत्तेदार सब्जियों में पाया जाने वाला विटामिन- के हेल्दी ब्लड वेसल्स को बनाए रखने, हार्ट की समस्याओं के जोखिम को कम करने और उम्र बढ़ने के साथ हड्डियों के नुकसान को रोकने सहित कई स्वास्थ्य लाभों से जुड़ा है।
- दाल, रोटी और चावल में शुद्ध घी को डाइट में शामिल करना आंत में चिकनाई का काम होता है और कब्ज से राहत मिलती है।
- हाथों से भोजन करने से आपका संबंध भोजन से जुड़ता है और सकारात्मक विचारों में वृद्धि होती है।
- प्राकृतिक चीनी के साथ रिफाइंड चीनी को बदलने से आपकी कमर के आस-पास का फैट कंट्रोल में रहता है और अन्य सूजन संबंधी बीमारियां जैसे पीसीओ, आईबीएस दूर रहती हैं।
- दिन में 8 गिलास पानी पीना याद रखें। आपका शरीर 80% पानी से बना है और पानी कब्ज को दूर करने और इम्यूनिटी और त्वचा के स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है।
- हफ्ते में कम से कम 150 मिनट एक्सरसाइज या हफ्ते में कम से कम 5 दिन 30 मिनट एक्सरसाइज करने का प्रयास करें। चाहे वह टहलना हो, जॉगिंग करना हो, स्वीमिंग हो या घर पर पिलाट्स वर्कआउट करना हो, लक्ष्य शारीरिक रूप से एक्टिव रहना है।
- नींद और इम्यून सिस्टम के बीच एक मजबूत संबंध है। जब आप सो रहे होते हैं तो 7 से 9 घंटे की नींद आपके शरीर को हेल्दी और मजबूत बनाती है। अच्छी नींद आपके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है।
- बार-बार और लंबे समय तक धूप में रहने से त्वचा कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। लंबे समय तक धूप में रहने से बचें और जब आप बाहर हों तो सनस्क्रीन और लंबी बाजू के - कपड़ों से खुद को सूरज की किरणों से बचाना सुनिश्चित करें।
- अपने हाथों को बार-बार साबुन और पानी से धोना या अल्कोहल बेस सैनिटाइजर का उपयोग करना इंफेक्शन के प्रसार को रोकने का एक सरल लेकिन प्रभावी तरीका है।

- प्रस्तुति : गंगेश

देवशयनी एकादशी 29 को, सभी मांगलिक कार्यों पर कुछ माह के लिए लग जाएगी ब्रेक

- ज्योतिषाचार्य पं. तरु झा
ब्रज किशोर ज्योतिष संस्थान, प्रताप चौक, सहरसा (बिहार)

आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की एकादशी को ही देवशयनी एकादशी के नाम से जाना जाता है। इस वर्ष देवशयनी एकादशी 29 जून 2023 के दिन मनाई जानी है। इसी दिन से चातुर्मास का आरंभ भी माना गया है और मांगलिक कार्य पर भी इस देवशयनी एकादशी के बाद कुछ दिन के लिए विराम लग जायेंगे। हरिशयनी एकादशी को पद्मनाभा के नाम से भी जाना जाता है। सभी उपवासों में देवशयनी एकादशी व्रत श्रेष्ठतम कहा गया है। इस व्रत को करने से भक्तों की समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा सभी पापों का नाश होता है।

जानिए, क्या है महत्ता और पौराणिक मान्यता

आइए जानते हैं देवशयनी एकादशी की महत्ता और इसकी मान्यता। धर्मराज युधिष्ठिर ने कहा- हे केशव, आषाढ़ शुक्ल एकादशी का क्या नाम है? इस व्रत के करने की विधि क्या है और किस देवता का पूजन किया जाता है? श्रीकृष्ण कहने लगे कि हे युधिष्ठिर,जिस कथा को ब्रह्माजी ने नारदजी से कहा था, वही मैं तुमसे कहता हूं, एक समय नारद जी ने ब्रह्माजी से यही प्रश्न किया था।

तब ब्रह्माजी ने उत्तर दिया कि- हे नारद, तुमने कलियुगी जीवों के उद्धार के लिए बहुत उत्तम प्रश्न किया है, क्योंकि देवशयनी एकादशी का व्रत सब व्रतों में उत्तम है। इस व्रत से समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं। इस व्रत के करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। इस एकादशी का नाम पद्मा है। अब मैं तुमसे एक पौराणिक कथा कहता हूं, तुम मन लगाकर सुनोः- सूर्यवंश में मांधाता नाम का एक चक्रवर्ती राजा हुआ, जो सत्यवादी और महान प्रतापी था। वह अपनी प्रजा का पुत्र की भांति पालन किया करता था। उसकी सारी प्रजा धनधान्य से भरपूर और सुखी थी। उसके राज्य में कभी अकाल नहीं पड़ता था। एक समय उस राजा के राज्य में तीन वर्ष तक वर्षा नहीं हुई और अकाल पड़ गया। प्रजा अन्न की कमी के कारण अत्यंत दुखी हो गई। अन्न के न होने से राज्य में यज्ञादि भी बंद हो गए।। एक दिन प्रजा राजा के पास जाकर कहने लगी कि हे राजा,सारी प्रजा त्राहि-त्राहि पुकार रही है, क्योंकि समस्त विश्व की सृष्टि का कारण वर्षा है। वर्षा के अभाव से अकाल पड़ गया है और अकाल से प्रजा मर रही है, इसलिए हे राजन, कोई ऐसा उपाय बताओ जिससे प्रजा का कष्ट दूर हो। राजा मांधाता कहने लगे कि आप लोग ठीक कह रहे हैं, वर्षा से ही अन्न उत्पन्न होता है और आपलोग वर्षा न होने से अत्यंत दुखी हो गए हैं। मैं आप लोगों के दुखों को समझता हूं। ऐसा कहकर राजा कुछ सेना के साथ लेकर वन की तरफ निकल पड़े। वह अनेक ऋषियों के आश्रम में भ्रमण करते हुए अंत में ब्रह्माजी के पुत्र अंगिरा ऋषि के आश्रम में पहुंचे। वहां राजा ने घोड़े से उतरकर अंगिरा ऋषि को प्रणाम किया।

मुनि ने राजा को आशीर्वाद देकर कुशलक्षेम के पश्चात उनसे आश्रम में आने का कारण पूछा। राजा ने हाथ जोड़कर विनीत भाव से कहा कि हे भगवन, सब प्रकार से धर्म पालन करने पर भी मेरे राज्य में अकाल पड़ गया है। इससे प्रजा अत्यंत दुखी है। राजा के पापों के प्रभाव से ही प्रजा को कष्ट होता है। ऐसा शास्त्रों में कहा गया है। जब मैं धमार्नुसार राज करता हूं तो मेरे राज्य में अकाल कैसे पड़ गया? इसका कारण पता मुझे अभी तक नहीं चल सका है।

अब मैं आपके पास इसी संदेह को निवृत्त कराने के लिए आया हूं। कृपा करके मेरे इस संदेह को दूर कीजिए। साथ ही प्रजा के कष्ट को दूर करने का कोई उपाय

बताइए। इतनी बात सुनकर ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यह सतयुग सब युगों में उत्तम है। इसमें धर्म को चारों चरण सम्मिलित हैं, अर्थात इस युग में धर्म की सबसे अधिक उन्नति है। लोग ब्रह्म की उपासना करते हैं और केवल ब्राह्मणों को ही वेद पढ़ने का अधिकार है। ब्राह्मण ही तपस्या करने का अधिकार रख सकते हैं, परंतु आपके राज्य में एक अयोग्य व्यक्ति तपस्या कर रहा है। इसी दोष के कारण आपके राज्य में वर्षा नहीं हो रही है। इसलिए, यदि आप प्रजा का भला चाहते हो तो उसका वध कर दो, इस पर राजा कहने लगा कि महाराज मैं उस निरपराध तपस्या करने वाले को किस तरह मार सकता हूं। आप इस दोष से छूटने का कोई दूसरा उपाय बताइए। तब ऋषि कहने लगे कि हे राजन! यदि तुम अन्य उपाय जानना चाहते हो तो सुनो।

आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष की पद्मा नाम की एकादशी का विधिपूर्वक व्रत करो। व्रत के प्रभाव से तुम्हारे राज्य में वर्षा होगी और प्रजा सुख प्राप्त करेगी, क्योंकि इस एकादशी का व्रत सब सिद्धियों को देने वाला है और समस्त उपद्रवों को नाश करने वाला है। इस एकादशी का व्रत तुम प्रजा, सेवक तथा मंत्रियों सहित करो।

मुनि के इस वचन को सुनकर राजा अपने नगर को वापस आया और उसने विधिपूर्वक पद्मा एकादशी का व्रत किया। उस व्रत के प्रभाव से वर्षा हुई और प्रजा को सुख पहुंचा। अतः इस मास की एकादशी का व्रत सब मनुष्यों को करना चाहिए। यह व्रत इस लोक में भोग और परलोक में मुक्ति को देने वाला है। इस कथा को पढ़ने और सुनने से मनुष्य के समस्त पाप नाश को प्राप्त हो जाते हैं।

बीएसएल : 51 साल पुराने गैस नेटवर्क की व्यापक मरम्मत एवं शोधन शुरू

उत्पादन में होगी बढ़ोतरी

संवाददाता

बोकारो : बोकारो इस्पात संयंत्र के ऊर्जा प्रबंधन विभाग द्वारा 51 साल पुराने गैस नेटवर्क के मरम्मत एवं शोधन के कार्य का शुभारंभ अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीके तिवारी के कर कमलों द्वारा किया गया। ब्लास्ट फर्नेस और कोक ओवेन के पुराने गैस नेटवर्क का व्यापक सफाई और मरम्मत का कार्य तथा साथ ही साथ पुराने कंपन्सेटर को बदलने का कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के सम्पादन से रोलिंग मिल तथा दूसरे उत्पादन विभाग को निरंतर निर्बाध रूप से गैस की सप्लाइ मिलेगी, जिससे कि बोकारो इस्पात संयंत्र की उत्पादन क्षमता में बढ़ोत्तरी होगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस कार्य को मेसर्स टेकमेक इंटरप्राइजेज और मेसर्स जूपिटर इंजीनियरिंग के द्वारा ऊर्जा प्रबंधन विभाग की कड़ी निगरानी में किया जा रहा है। चूंकि यह कार्य विषाक्त एवं ज्वलनशील गैस से जुड़ा हुआ है, अतः ऊर्जा प्रबंधन विभाग के मुख्य महाप्रबंधक गुलशन कुमार ने सुरक्षा शपथ के साथ कार्य को शुरू कराया तथा इस कार्य से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति से सुरक्षा के सभी मानकों के अनुपालन करने का आग्रह किया।

कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (अनुरक्षण) शरद गुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) पीके बैसाखिया, मुख्य महाप्रबंधक (एचएसएम) आलोक वर्मा, मुख्य महाप्रबंधक (एस एंड एफ) जेवी शेखर, महाप्रबंधक (सीओ एंड सीसी) पीएस कुमार, महाप्रबंधक (इएमडी) पीके भुईन, महाप्रबंधक (इएमडी) ओ. बनर्जी, महाप्रबंधक (इएमडी) पी मंडल, उप महाप्रबंधक (इएमडी) संजय एवं ऊर्जा प्रबंधन विभाग के अन्य अधिकारी व कर्मी उपस्थित थे।

फर्जी चैनल और पत्रकारों पर नकेल कसे सरकार : सिन्हा

संवाददाता

रांची : झारखंड में मीडिया के नाम पर यू-ट्यूबर्स, फर्जी न्यूज चैनल और पत्रकारों की बाढ़ आ गई है। ऐसे लोग बगैर कोई वैधानिक अहर्ता पूरी किये अपने चैनल पर वीडियो और खबरें अपलोड कर देते हैं। ऐसी खबरों के माध्यम से भ्रम फैलाया जा रहा है। इसके लिए यह जरूरी है कि केन्द्र और राज्य सरकार फर्जी चैनलों और पत्रकारों पर नकेल कसे। यह कहना है कि भारतीय पत्रकार के संघ के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा का। उन्होंने इस बारे में मुख्य सचिव को पत्र लिखकर आवश्यक कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा है कि इस सन्दर्भ में जिलों के सूचना एवं जन-संपर्क विभाग तथा भारत सरकार का प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो (पीआईबी) महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने राज्य व केन्द्र सरकार से मांग की है कि इसके लिए एक कमेटी बनाकर उसका सुझाव लिया जाय और प्रशासनिक स्तर पर इसकी जांच की जाय, ताकि अवांछित तत्वों पर रोक लग सके और सही लोगों को चिन्हित कर वैधानिक प्रावधानों के तहत उन्हें कार्य करने पर बाध्य किया जाय।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल कहीं समझ में आता
कहीं किंवदंती फैलाता
अलग आस्था है, जंगल की
वह उस युग की, यह इस युग की
हर युग की बातों को जोड़ें
वन विचार में लाता है विस्तार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
रामायण में आता जंगल
द्वापर युग बतलाता जंगल
कलियुग में प्राचीन काल हो
मध्यकाल या हाल-साल हो
जंगल को हर युग की बातें
ज्ञात, सूचना का इसमें अम्बार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल

(क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

पेज- एक का शेष

सौर ऊर्जा और पानी...

हमारा पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) पीएलएफ जहां 62 प्रतिशत था, वह 21-22 में 69 फीसदी और 2022-23 में 74 प्रतिशत तक पहुंच गया। क्रमतर सुधार के क्रम में वर्ष 2023-24 के बीते दो माह में यह आंकड़ा 80 प्रतिशत रहा। जबकि, चन्द्रपुरा ताप विद्युत केन्द्र (सीटीपीएस) का पीएलएफ 97 प्रतिशत है। देश में बिजली की बढ़ती मांग के अनुरूप सरकार द्वारा तय लक्ष्य के अनुरूप डीवीसी विद्युत उत्पादन कर रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है रिन्यूएबल एनर्जी

डीवीसी अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि 500 मेगावाट तक केवल रिन्यूएबल एनर्जी से बिजली उत्पादन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ड्रीम प्रोजेक्ट है, जिसे पूरा करने को डीवीसी कटिबद्ध है। उन्होंने बताया कि अभी बिजली की अधिकतम आवश्यकता देशभर में 224 गीगावाट है। अनुमान है कि 2030 तक यह बढ़कर 400 गीगावाट हो जाएगी।

भारतीय सेना ने टैक्टिकल लैन रेडियो खरीदने को लेकर किया अनुबंध

दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में भी अब नहीं टूटेगा सेना का संपर्क

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : भारतीय सेना ने रक्षा उत्कृष्टता के लिए नई खोज के द्वारा सामरिक लैन रेडियो की खरीद के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। 'मेक इन इंडिया' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को कायम रखते हुए भारतीय सेना ने इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस के द्वारा दूसरे खरीद अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। स्वदेशी रूप से विकसित टैक्टिकल लैन रेडियो की खरीद के लिए मेसर्स एस्ट्रोम टेक प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर, के साथ अनुबंध पर नई दिल्ली में उप थल सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल एम. वी. सुचिन्द्र कुमार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के साथ भारतीय सेना ने अब तक आईडीईएक्स के तहत दो अनुबंधों पर हस्ताक्षर करके अपनी बढ़त बना ली है।

दूरस्थ और दुर्गम इलाकों में सुरक्षित सामरिक लैन बनाने के लिए 'सामरिक लैन समाधान' स्वदेशी रूप से विकसित किया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार टैक्टिकल लैन रेडियो विश्वसनीय और सफल, सुरक्षित-संचार के लिए अत्याधुनिक उच्च बैंड विड्थ बैक हॉल वायरलेस रेडियो उपकरण है। यह समाधान बिना किसी अवरोध के लंबी दूरी के 'पॉइंट टू मल्टिपॉइंट' हाइबैंडविथ संचार अवरोध की संभावना को रोकने के लिए संचार और एम्बेडेड फ्रीक्वेंसी होपिंग तंत्र की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। इस प्रणाली में उन्नत सुरक्षा खूबियां भी शामिल हैं और यह बिना किसी रुकावट के एकल सेट के आधार पर 48 घंटे तक लगातार काम कर सकती है।

आईडीईएक्स को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 12 अप्रैल 2018 को डिफेंस एक्सपो इंडिया 2018 के दौरान लॉन्च किया गया था। आईडीईएक्स का उद्देश्य अनुसंधान और विकास संस्थानों, शिक्षाविदों, एमएसएमई सहित उद्योगों, स्टार्टअप, व्यक्तिगत नवप्रवर्तकों को शामिल करके अनुदान वित्त/पोषण और अन्य सहायता प्रदान करके रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचारों को बढ़ावा देना, जिन्हें भारतीय रक्षा और एरोस्पेस में भविष्य में शामिल करने की अच्छी संभावना हो, और तकनीकी विकास को प्रोत्साहित करने के लिए एक इकोसिस्टम बनाना है। पिछले चार वर्षों में डिफेंस इनोवेशन ऑर्गेनाइजेशन के तहत आईडीईएएक्स, स्टार्टअप्स और इनोवेटर्स के साथ सही तरह का संपर्क स्थापित करने में एक 'फ्रंटरनर' रूप के में उभरा है और डिफेंस स्टार्टअप कम्यूनिटी में पर्याप्त ध्यान आकर्षित कर रहा है।

वर्तमान में भारतीय सेना की कुल 42 परियोजनाएं डिफेंस इंडिया स्टार्टअप चैलेंज (डीआईएससी) ओपन चैलेंज और आईडीईएक्स प्राइम योजना का हिस्सा है, जिसमें 41 स्टार्टअप को भारतीय सेना द्वारा आने वाली चुनौतियों के लिए नवीनतम, अत्याधुनिक, समाधानों के विकास, के लिए शामिल किया गया है। प्रत्येक चुनौती के लिए एक समर्पित नोडल अधिकारी और भारतीय सेना से उत्कृष्टता केंद्र के रूप में एक 'ए' श्रेणी के प्रतिष्ठान को परियोजनाओं की प्रगति और निरंतर समर्थन के लिए नामित किया गया है। भारतीय सेना की आईडीईएक्स परियोजनाओं की शेष 'आवश्यकता की स्वीकृति' को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है और शीघ्र ही अनुबंधों के रूप में परिवर्तित होने की संभावना है।

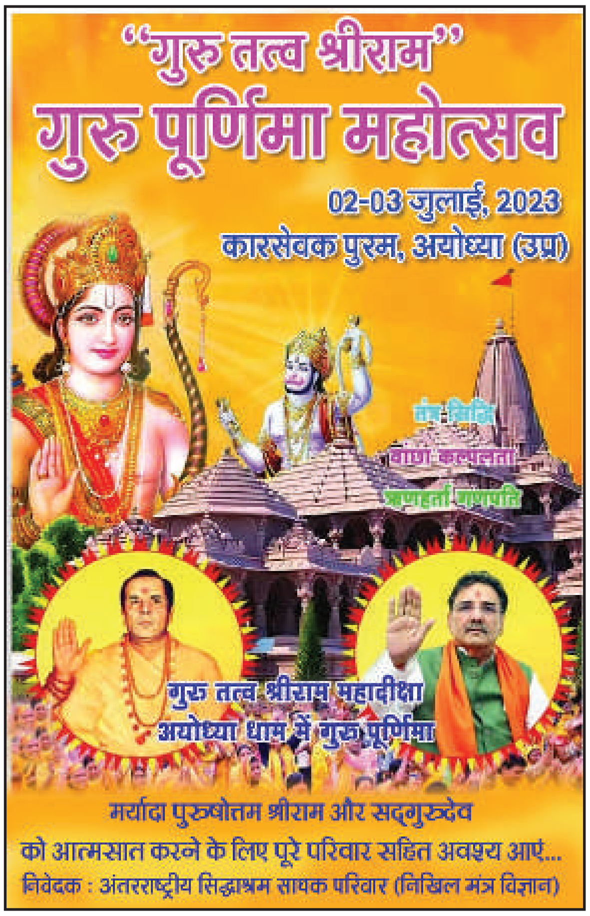

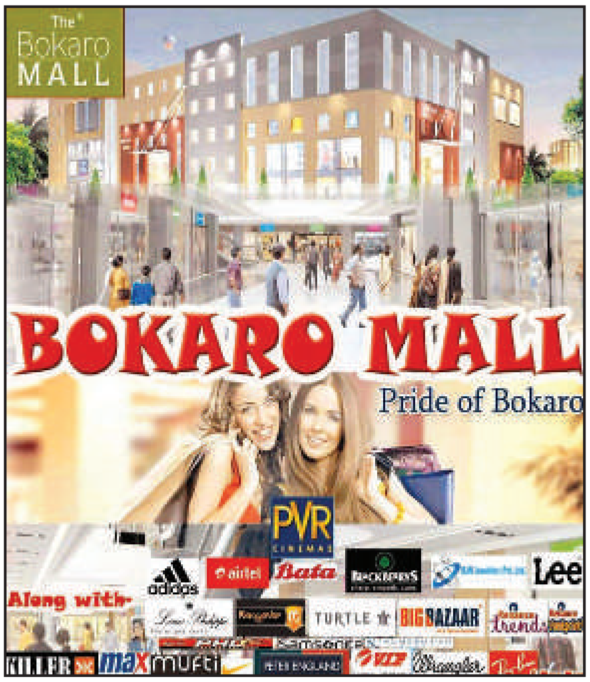

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई. पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)